OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Impact of cleanliness on economic development: A study Indore (Special report of the city)

2020

July to September 2020
E-Journal
Volume I, Issue XXXI

RNI No. – MPHIN/2013/60638
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Impact Factor - 5.610 (2018)

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

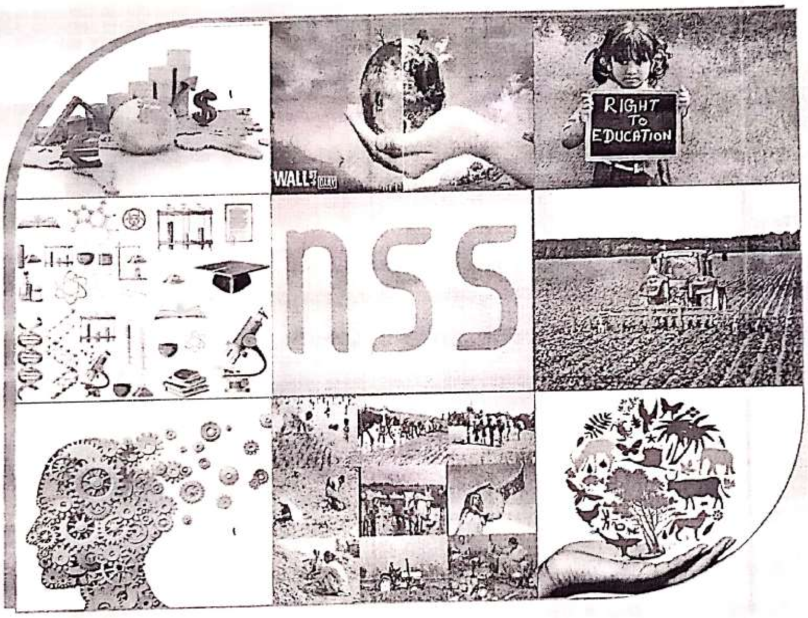

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, NEEMUCH (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, Email : nssresearchjournal@gmail.com, Website www.nssresearchjournal.com

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI

Index/अनुक्रमणिका

01. Index/ अनुक्रमणिका 02

02. Regional Editor Board / Editorial Advisory Board 07/08

03. Referee Board 09

04. Spokesperson 11

05. Environmental Pollution- Its Effects On Life And Public Health - A Case Study Of Bhopal City Area , M.P. (Manisha Singh) 13

06. Risk Factors Associated With Diabetes Mellitus During COVID19 (Varsha Mathur, Dr. Divya Dubey) 16

07. A Study of Madhya Pradesh State Co-operative Marketing Federation (MARKFED) (Ms. Meenakshi Shrivastava, Dr. Basanti Mathew Merlin) 20

08. Bioactive Entrapment and Targeting Using Nanocarrier Technologies (Renuka Thakur, Dr. S.K. Udaipure) 23

09. A Study of Customer's Perception with respect to Life Insurance Services of State Bank of India Life Insurance In Ujjain Division (Jitendra Sharma) 27

10. The Role of Professional Ethics in Teacher Education (Asmita Bhattacharya) 30

11. Synthesis And Photocatalytic Activity of $ZnO/H_3PW_{12}O_{40}$ – Supported Mordenite Composite (Renuka Thakur, Dr. S.K. Udaipure) 34

12. Effect of *Pterocarpus marsupium* (Vijayasaar) on Lipid Profile and Diabetic Quality of Life in Recent onset Type1 Diabetes (Dr. Bharti Taldar, Dr. Rohitashv Choudhary, Dr. Ritvik Agrawal, Dr. R.P. Agrawal) 37

13. वर्तमान परिदृष्य में साहित्य का अवदान (डॉ. वन्दना अग्निहोत्री) 45

14. ग्रामीण महिला सशक्तिकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी (डॉ.पूजा तिवारी) 48

15. कोराना काल (कोविड–19) में मानव स्वास्थ्य पर धूम्रपान (स्मोकिंग) का प्रभाव (डॉ. बसंती जैन) 50

16. छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक गीतों का सामाजिक संदर्भ (आदिवासी अंचल के तंत्र–मंत्र गीत) (एन.आर. साव, डॉ. (श्रीमती) वसंत नाग) 52

17. महिला सशक्तिकरण चुनौतियां और संभावनाएं (श्रीमती नीतिनिपुणा सक्सेना, श्रीमती ज्योति पांचाल मिस्त्री) 54

18. मीडिया और बाजारवाद (डॉ. सुनीता शुक्ला) 57

19. भारत में बढ़ती जनसंख्या एवं उसका आर्थिक प्रभाव (डॉ. ए. के. पाण्डेय) 58

20. जनजातियों का भौगोलिक विवरण (डॉ. डी.पी. शर्मे) 61

21. शिक्षा एवं शैक्षणिक पर्यावरण का सामाजिक पर्यावरण पर प्रभाव एक अध्ययन (अपराध के विशेष संदर्भ में) (डॉ. ओंकार सिंह मेहता) 63

22. मुगलकालीन आर्थिक परिवेश (डॉ. सुनीता शुक्ला) 66

23. कक्षा आठ के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता एवं विभिन्न रूचियों का तुलनात्मक अध्ययन (आगरा जनपद के जगनेर शहर के सन्दर्भ में) (मनीष कुमार, डॉ. प्रमिला दुबे) 68

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI

50. स्वच्छता का आर्थिक विकास पर प्रभाव : एक अध्ययन (इन्दौर शहर के विशेष संदर्भ में) 141
(डॉ. विवेक कुमार पटेल, डॉ. देवेन्द्र सिंह बागरी)

51. बिदेशिया की रंग परिकल्पना (अमित रंजन) 144

52. बैंकिंग व्यवस्था एवं सहकारिता का जन्म (इंदूर परस्पर सहकारी बैंक, इन्दौर के संदर्भ में) 147
(मिलेश सैनी, डॉ. एल.के. त्रिपाठी)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI

स्वच्छता का आर्थिक विकास पर प्रभाव : एक अध्ययन (इन्दौर शहर के विशेष संदर्भ में)

डॉ. विवेक कुमार पटेल * डॉ. देवेन्द्र सिंह बागरी **

प्रस्तावना - विश्व के विकसित देशों में विकास एवं आधुनिकता के जो मानक तय किये गये है उनमें स्वचछता का महत्वपूर्ण स्थान है। हम विकासशील देश विकसित देशों के माडल को अपना कर आगे बढने की बात करते है, परन्तु क्या उन मानकों को भी विकास और आधुनिकता में सम्मिलित करने के लिए तैयार है, यह विचार करने की आवश्यकता है। बिना स्वच्छता के हमारा जीवन, परिवार, समाज, संस्कृति, राष्ट्र, विश्व और चेतना के उच्च स्तरीय आदर्श को प्राप्त करने हेतु प्रथम स्थान पर आती है। यदि किसी भी देश में ये सभी बेहतर रहे तो आर्थिक विकास भी बेहतर होगा। यही कारण है कि स्वच्छता को लेकर देशों की सरकारें बहुत गम्भीर है। स्वच्छता के प्रभाव को हम म.प्र. के इन्दौर रीजन के आर्थिक विकास से समझ सकते है। सन् 2017 में पहली बार जब इन्दौर नम्बर वन बना तब रीजन में 2.5 हजार करोड़ का निवेश था और यह रफ्तार तेजी से बढती हुई 2019-20 में 21 हजार करोड़ तक पहुच गई। इस तेजी से हुए विकास में स्वच्छता ही मुख्य कारक नही है परन्तु स्वच्छता भी प्रभाती कारक है। इसका तीव्र विकास में कई क्षेत्रों का समेकित योगदान है। इस विकास के कारण जीवन स्तर में सुधार रोजगार के अवसरो में वृध्दि, विदेशी निवेश में वृध्दि, निवेशको का क्षेत्र के प्रति विश्वास बढ़ा है। इस प्रकार हम कह सकते है कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए स्वच्छता प्रभावी कारक होता है।

स्वच्छता व भारत - यह सर्वविदित है कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मन का वास होता है और जब मन स्वस्थ्य होगा तो सोच भी विस्तृत व स्वस्थ्य होगी तो विकास का सकारात्मक नजरिया होगा और विकास तीव्र गति से होगा। विश्व के जिन 2.5 अरब लागों के पास साफ सफाई स्वच्छता की सुविधा उपलब्ध नही है उनमें से एक तिहाई भारत में रहते है। इतना ही नही विश्व में जिन अरबों लोगो के पास शौचालय नही है और मजबूरन उन्हे खुले में शौच जाना पडता है , उनमें से 60 करोड़ लोग भारत के ही है। इससे स्पष्ट है कि हमारा देश स्वच्छता के प्रति कितना लापरवाह देश है। भारत में स्वच्छता मिशन कार्यक्रम लाया गया है। लेकिन इस कार्य हेतु आवंटन इतना कम हुआ कि यह कार्यक्रम प्रभावी परिणाम न दे सका। इस समस्या को देखते हुए वर्ष 1999 में सम्पर्ण स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में केवल घरों, पंचायतों, आगनवाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों को प्राथमिकता दी गई। सामान्यतः शासकीय योजनाओं में जो समस्याये देखने में आती है उन समस्यों की भेंट यह कार्यक्रम भी चढ़ा है। इसका मुख्य कारण भ्रष्टाचार, व्यक्ति, शासन-प्रशासन की कमजोर इच्छाशक्ति, कर्तव्यविमुखता व आलस्य रहे हैं।

हमारे देश में लगभग 6 करोड़ टन कचरा प्रति वर्ष पैदा होता है जिसमें बडे शहरों की भागीदारी अत्यधिक है और यह दिनों दिन बढता रहा। लगभग 6 करोड़ टन के कचरें में से लगभग 1 करोड़ टन कचरा केवल दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, बंगलुरू और चेन्नई जैसे चुनिन्दा शहरों का है। परन्तु हमारे देश के ही कुछ प्राप्त केरल, मिजोरन, लक्ष्यदीप, और सिक्किम में अब स्वच्छता का कोई मुद्दा नही है और यहा विकास की गति तीव्र है। स्वच्छ भारत अभियान के उद्धाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश की सभी पिछली सरकारों और सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृति संगठनों व्दारा सफाई को लेकर किए गए प्रयासों की सराहना की है। उन्होने जोर देते हुए कहा कि भारत को स्वच्छ बनाने का काम किसी एक व्यक्ति या अकेले सरकार का नही है। यह काम तो देश के 135 करोड़ लोगों व्दारा किया जाना है जो भारत माता के पुत्र-पुत्रिया है। उन्होने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान को एक जन आन्दोलन में तब्दील करना चाहिए। लोगों को ठान लेना चाहिए कि वह न तो गन्दगी करेंगें और न ही करने देगे।

स्वच्छता एवं विकास - एक शोध के अनुसार देश की आधे से अधिक आबादी घोर गन्दगी या प्रदूषित स्थानों पर जीवन बसर करने के लिए मजबूर है। जिस कारण इस दिशा में ध्यान देनाा आवश्यक है जिन मोहल्लों या गावों की आबादी अधिक है या घनी बसी हुई है वहॉ पर स्वच्छता की ओर ध्यान देना की बहुत आवश्यक है। समान्यत: देखने में यह आया है कि ऐसे स्थानों पर लोग अधिक बीमार होते है और विकास की गति भी बहुत धीमी होती है। अधिक आबादीवाले स्थानों पर अधिकाशत: ऐसे लोग रहते है जिनकी आय कम होती है जो किसी प्रकार अपना जीवन निर्वाह करते है। इन बातों से स्पष्ट है कि स्वच्छता सीधे विकास को प्रभावित कर रही है। इस विकास को सीधे तौर पर सामाजिक परिवर्तन से जोड़कर देखा जाना चाहिए। उदाहरण के तौर पर दिल्ली के कम विकसित इलाकों में रहने वाले परिवारों की गलियाँ, सड़के और सार्वजनिक स्थलों पर पालीथीन और अपशिष्ट वस्तुयें अधिक फेकी हुई दिखाई पड़ती है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सामाजिक विकास न हो पाने का स्वच्छता का भी एक कारण है। यदि व्यक्ति का परिवेश स्वच्छ है तो बीमारी कम होगी, सोच बढेग़ी और शिक्षा का स्तर बढेगा तो विकास स्वमेव होगा।

देश के विकास का पहला कदम स्वच्छता - भारत देश पुनर्निर्माण के दौर से गुजर रहा है जिसमें तरक्की की गगन चुम्भी इमारतों से लेकर दौडती बुलेट ट्रेन का स्वप्न, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के सहारे देशवासियों के लिए आधारभूत सुविधाओं को जुटाना, राष्ट्रीयता की स्थापना से लेकर आतंक

* सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) शासकीय महाविद्यालय, कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) भारत
** सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.) भारत

PRINCIPAL Govt. Tulsi College Anuppur Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

से मुक्ति का महामृत्युंजय मन्त्रा भी जपा जा रहा है। इन्ही सब प्रगति के विशाल आकाश में राष्ट्रपिता गांधी के स्वप्नों का स्वच्छ भारत भी अपना आकार ले रहा है। स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। स्वच्छता अपनाने में व्यक्ति रोग मुक्त रहता है और एक स्वस्थ्य राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना है, अत: हर व्यक्ति को जीवन में स्वच्छता अपनानी चाहिए और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

शरीर की स्वच्छता से लेकर मन की स्वच्छता और यहाँ तक कि धन की स्वच्छता में मिलकर भी भारत के पुनर्निर्माण की नींव रखी जा सकती है। ग्राम, नगर, प्रान्त की गन्दगी समाप्त होने के बाद ही राष्ट्र का स्वस्थ होना संभव है। तन -मन धन की स्वच्छता के बाद ही इस राष्ट्र का नवीन रूप सामने आएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक साफ-सफाई न होने के चलते भारत में प्रति व्यक्ति औसतन 6500 रूपये जाया हो जाते है। उन्होने कहा कि इसके दृष्टिगत स्वच्छ भारत जन स्वास्थ्य पर अनुकूल असर डालेगा और इसके साथ ही गरीबों की गाढी कमाई की बचत भी होगी। जिसमें राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार होगा। इन्होने लोगों से साफ-सफाई के सपने को साकार करने के लिए इसमें हर वर्ष 100 घन्टे योगदान करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने शौचालय बनाने की अहमियत को भी रेखांकित क्रिया। इन्होने कहा कि साफ -सफाई को राजनीतिक चश्में में नही देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे देश भक्ति और जन स्वास्थ्य के प्रति कटिबद्धता से जोड़कर देखा जाना चाहिए। जब व्यक्ति स्वस्थ होगा तो उसकी मेहनत की कमाई, बीमारी के इलाज एवं अन्य जीवन निर्वाह में आवश्यक आनेवाली परेशानियों से बचेगी और वह उस बचत का निवेश करेगा तो निश्चित रूप से उसके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। इस प्रकार ये छोटे-छोटे निवेश व्यक्ति के विकास का कारण बनेगे, जब व्यक्ति का विकास होगा, समाज विकसित होगा। व्यक्ति का निवेश उसकी आय को बढ़ायेगा, क्रय शक्ति को बढ़ायेगा।

स्वच्छता और इन्दौर के आर्थिक विकास में अंतर्सम्बंध - स्वच्छता का आर्थिक विकास से प्रत्यक्ष संबंध है। इसे समझने के लिए इन्दौर रीजन का उदाहरण लिया जा सकता है, जहॉ स्वच्छता के प्रत्यक्ष प्रभाव से तीव्र आर्थिक विकास हुआ है। यहॉ पूरे म. प्र. का 70 प्रतिशत निवेश आ रहा है। आईटी कम्पनियां के लिए पहली पसंद है। यह सब परिवर्तन मात्र कुछ वर्षो में हुआ है। पहली बार सन् 2017 में इन्दौर स्वच्छता में नं. वन बना और उस समय पूरे इन्दौर रीजन का निवेश ढाई हजार करोड़ रूपये का प्रति वर्ष रहा। इन्दौर 2017 से लगातार स्वच्दता में नं. वन बना रहा और इसका प्रभाव यह हुआ कि 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के दौरान पूरे रीजन का निवेश बढकर 21 हजार करोड़ रूपये हो गया अर्थात् प्रति वर्ष सात हजार करोड़ रूपये का औसतन निवेश हुआ। निवेश में यह वृद्धि सभी क्षेत्रों को मिलाकर हुई। इसमें प्रमुख रूप से रियल एस्टेट सेक्टर है जिसमें कारोबार प्रतिवर्ष आठ हजार करोड से बढकर ग्यारह हजार करोड़ से भी अधिक जा पहुचा। इस निवेश को वर्षवार तालिका-1 से समझा जा सकता है -

वर्ष	रजिस्ट्री	आय (लगभग)
2015-16	71000	824 करोड़
2016-17	70673	829 करोड़
2017-18	87000	1009 करोड़
2018-19	97000	1134 करोड़
2019-20	100000	1173 करोड

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 2015-16 और 2016-17 के दौरान प्रत्येक वर्ष औसतन सत्तर हजार सम्पत्तियों के सौदे हो रहे थे जो 2017-18, 2018-19 एवं 2019-20 के दौरान बढकर एक लाख तक पहुच गये। रियल सेक्टर का कारोबार 10 से 11 हजार करोड़ पहुच गया। इससे सरकार का राजस्व 800 करोड से बढकर 1100 करोड हुआ।

उल्लेखनीय है कि म. प्र. में सभी ए के वी एन रीजन में हर वर्ष औसतन 12 हजार करोड़ रूपये का निवेश होता है, तो इसके 70 प्रतिशत से ज्यादा अकेले इन्दौर क्षेत्र में आया है। ए.के.वी.एन.के. एम. डी. रहे ***कुमार पुरूषोत्तम (आई.ए.एस.)*** ने बताया कि सफाई में नं. वन बनने के बाद इन्दौर ग्लोबल मैप पर आया है। जब हम निवेश के लिए इन्दौर का प्रेजेंटेशन बताते थे, तो लोग तुरन्त पहचान लेते थे। कम्पनियों की मांग के कारण ही स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क और अतुल्य आई.टी. पार्क स्थापित हुए। ऐसा नही है कि इन्दौर में पूर्व में आद्यौगिक विकास नही था। पूर्व में की निम्नलिखित आद्यौगिक क्षेत्र कार्यरत थे -

पीथमपुर (चरण ख,खख,खिखख) के आसपास के क्षेत्रों में अकेले 1500 बड़े, माध्यम और लघु औद्योगिक सेट-अप हैं।, इन्दौर के विशेष आर्थिक क्षेत्र (डएन लगभग 3000 एकड़) सांवेर औद्योगिक वेल्ट (1000 एकड) लक्ष्मी बाई नगर आद्योगिक क्षेत्र , भागीरथपुरा काली विल्लोद (औ.क्षे.),रणमलविल्लोद (औ.क्षे.), शिवाजी नगर भिंडिकों (औ.क्षे.), हानोद (औ.क्षे.), क्रिस्टल आईटी पार्क 15.5 लाख वर्गफीट), आई टी पार्क परदेशीपुरा (1 लाख वर्गफीट), इलेक्ट्रानिक कॉम्प्लेक्स, टी.सी.एम. डएन , इंफोसिस डएन आदि है। इसके साथ ही डायमंड पार्क, रत्न और आभूषण पार्क, फूड पार्क, परिधान पार्क, नमकीन क्लस्टर और फार्मा क्लस्टर आदि क्षेत्र भी विकसित किय गये है, परन्तु विकास के तीव्र गति की बात करें तो वर्ष 1982 से 2016 तक 34 वर्षो में इन्दौर रीजन में 150 बड़ी कम्पनियों ने प्लांट लगाये जो सफाई में नं. वन बनने के बाद 2017 से 2020 के बीच चार वर्षो में ही 90 बड़ी कम्नपियों का प्रवेश इस रीजन में हुआ। नि:संदेह यह स्वच्छता में नम्बर वन होने का ही परिणाम है।

औद्योगिक निवेश का एक -फायदा यह भी हुआ है कि रोजगार के अवसरों का सृजन भी तेजी से हुआ है। रोजगार के नये अवसर भी बढे हैं। इन चार वर्षो में लगभग 24500 लोगो को नवीन रोजगार प्राप्त हुए जिन्हें वर्षवार तालिका-2 से समझा जा सकता है -

नम्बर वन होने का रोजगार व निवेश पर प्रभाव सारणी

वर्ष	रोजगार	निवेश (करोडों में)
2015-16	2500	2500
2016-17	3500	3000
2017-18	7000	6300
2018-19	7500	7400
2019-20	10000	7500

विकास की तेज गति इन्दौर रीजन में हरक्षेत्र में दृष्टिगोचर हुई है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण यह है कि पहले क्रिस्टल आईटी पार्क को बनने और आई टी कम्पनियों को आने में करीब 10 वर्ष का समय लगा। वर्ष 2017 के बाद तेजी से आईटी कम्पनियां ने इन्दौर का रूख किया। जिसके सुखद परिणााम स्वरूप अतुल्य आई टी पार्क सिर्फ दो वर्षो में ही बन गया और एक वर्ष में ही ये पूर्ण हो गया। आज दोनो पार्क में लगभग 5000 लोग कार्य कर रहे है। अब इन्दौर तीसरे आई टी पार्क की ओर अग्रसर हो रहा है।

निष्कर्ष - किसी भी वस्तु या क्षेत्र को ग्लोबल पटल पर लाने के लिए

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI

उसकी पहचान अन्य से अलग होना आवश्यक है। जिसमें इन्दौर ने यह कर दिखाया। स्वच्छता में नं. वन बनते ही यह ग्लोबल मैप पर आया। अब इन्दौर किसी परिचय का मोहताज नही रहा है। दैनिक जीवन में हमें अपने बच्चों को साफ-सफाई के महत्व और इसके उद्देश्य को सिखाना चाहिये। स्वच्छता एक ऐसा कार्य नही है जो हम दबाव से करें, बल्कि ये एक अच्छी आदत और स्वस्थ तरीका है। हमारे अच्छे स्वस्थ जीवन के लिये जरूरी है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिये सभी प्रकार की स्वच्छता बहुत जरूरी है चाहें वो व्यक्तिगत हो, अपने आसपास के पर्यावरण की, पालतू जानवारों की या कामकरने की जगह विद्यालय, महाविद्यालय या किसी अन्य कार्यस्थल आदि हो।

अब हम सभी को निहायत जागरूक होना चाहिये कि कैसे अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को बनाये रखें। अपनी आदत में साफ-सफाई को शामिल करना बहुत आसान है। हमें स्वच्छता में कभी समझौता नही करना चाहिये, ये जीवन में पानी और खाने की तरह ही आवश्यक है। इसमें बचपन से ही कुशल होना चाहिए। जिसकी शुरूआत हर अभिभावक् के द्धारा हो सकती है।

स्वस्थ भारत के निमार्ण हेतु हमारा सर्वप्रथम कदम राष्ट्र की तमाम गंदगियों को मिटा कर ही आगे बढ़ना हो सकता है। फिर हम मन की स्वच्छता की ओर विशेष ध्यान दे, और मन में बुरे विचारों को आने न दें। हम मन में आतंक, धर्म, जातिगत, लिंगभेद ऊँच-नीच और अमीरी-गरीबी के भाव न आने दें जिससे मन स्वच्छ होगा। महात्मा गांधी ने सही कहा है, ***'सच्ची लोकसत्ता या जनता का स्वराज्य कभी भी असत्य, झूठ, गंदगी, दिखावा या हिंसक साधनों से नहीं आ सकता।'*** हम न रिश्वत लें, न ही रिश्वत दें और न ही बिना कर चुकाए कालाधन अपने पास न रखे। इसके बाद घर को स्वच्छ रखें, मोहल्ले को स्वच्छ रखें, ग्राम, नगर और प्रान्त के साथ-साथ राष्ट्र को स्वच्छ रखें तो इससे भारत को स्थाई स्वच्छता मिलेगी। स्वच्छ भारत के साथ ही भारत के पुनर्निर्माण हेतु प्रत्येक की स्वच्छता ही कारगार विकल्प है। यदि क्षेत्र का तीव्र विकास करना है तो इन्दौर को आर्दश मानकर आगे बढ़ना होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. अवस्थी, अमरप्रकाश भारतीय राजनीतिक चिंतक, 2016, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल प्रकाषन, आगरा, पृ. 205
2. दैनिक भास्कर - जबलपुर
3. विकिपिडिया इन्दौर
4. औद्योगिक केन्द्र विकास निगम - इन्दौर (ए.के.वी.एम.)
5. जनसम्पर्क विभाग भोपाल। इन्दौर
6. स्वच्छता सर्वेक्षण वर्ष 2019 रिपोट
7. प्रतियोगिता दर्पण, अप्रैल 2019, उपकार प्रकाशन, आगरा, पेज-52

****

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)